Dr•Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
P.G.Deptt.of Psychology
Maharaja College Ara
Date; 18/10/2025
Class: P.G Semester - 3rd
(C.C-12)
Educational Psychology,
Topic - Meaning of Educational Psychology

शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ ***(Meaning of Educational Psychology)***

शिक्षा एक व्यापक शब्द है जिसका प्रयोग विश्व के कोने कोने में किया जाता है। शिक्षा व्यवहार में परिवर्तन को कहते हैं चाहे वह अच्छे के लिए हो अथवा बुरे के परिवर्तन परिपक्वता के कारण भी आती है, पर अनुभव तथा प्रयास के द्वारा व्यवहार में स्थायी परिवर्तन ही शिक्षा है। बच्चा जब जन्म लेता है तभी से अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयास करना सीख जाता है। जैसे भूख लगने पर रोना, गीला होने पर बेचैन होना इत्यादि। जैसे-जैसे वह बड़ा होता है अपने वातावरण से बहुत कुछ सीख लेता है। दूसरे शब्दों में, शिक्षा का मुख्य उद्देश्य सीखने वाले के व्यक्तित्व में उचित परिवर्तन लाना है जिससे बच्चे का सर्वांगीण विकास हो सके।

समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदल गया है। जब तक आधुनिक स्कूलों का विकास नहीं हो पाया था, तबतक गुरु शिष्य परम्परा ही शिक्षा का मुख्य स्रोत था। शिक्षण प्रणाली में बदलाव के साथ ही शिक्षा मनोविज्ञान की आवश्यकता महसूस हुई। शिक्षा मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की वह शाखा है, जो शिक्षा के नियमों एवं सिद्धांतों का प्रयोग कर शिक्षा को प्रभावकारी रोचक एवं उपयोगी बनाती है। इसका प्रमुख कार्य मनोवैज्ञानिक प्रयोगों को शिक्षण के क्षेत्र में उपयोग करना है तथा उससे प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर नियमों का निर्माण करना है। किसी भी शिक्षण की अवस्था में, मानव व्यवहार के अध्ययन के लिए मनोवैज्ञानिक नियमों एवं सिद्धांतों (Psychological theories and principles) का सही प्रयोग करना, शिक्षा मनोविज्ञान की पहली प्राथमिकता है। दूसरे शब्दों में, किसी भी शैक्षिक अवस्था में सीखने वाले (teacher) के अनुभवों एवं व्यवहार के अध्ययन को शिक्षा मनोविज्ञान कहते हैं।
शिक्षाविदों ने, शिक्षा मनोविज्ञान की परिभाषा अलग-अलग ढंग से दी है।

क्रो एवं क्रो **(Crow & Crow)** के अनुसार, **"**शिक्षा मनोविज्ञान मनुष्य के शैक्षिक अनुभवों की विवेचना जन्म से वृद्धावस्था तक करता है।**" "Educational Psychology describes and explains the learning experience of an individual from birth through old age-1973)"**
स्किनर **(Skinner 1962)** के अनुसार **"**शिक्षा मनोविज्ञान**,** मनोविज्ञान की वह शाखा है जो सीखने और सिखाने की प्रक्रिया का अध्ययन करती है।**" (Educational Psychology is that branch of psychology which deals with teaching and learning.)**
सबसे सरल परिभाषा **Peal (1956-P-8)** ने दी है जिनके अनुसार**, "**शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा का विज्ञान है **(Educational Psychology is the science of education)** इन परिभाषाओं की व्याख्या करने के पश्चात् यह स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षार्थी के व्यवहार को पूरी तरह परिवर्तित कर (mould) कर उन्हें एक निश्चित आकार देने की चेष्टा करता है। शिक्षा मनोविज्ञान के व्यापक अर्थ को हम तभी समझ सकते हैं, जब इसके उद्देश्यों कार्यों एवं इसकी उपयोगिता की सही व्याख्या करें। इसके निम्नलिखित प्रमुख कार्य हैं-

(a) शिक्षकों की सहायता करना **(To help the teachers)** शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षण विधि की उपलब्ध सामग्रियों (learning materials) नियमों सिद्धांतों (Principles and theories) तकनीशियों (techniques) और प्रयुक्त अनुभवों के आधार पर शिक्षकों के कार्यों का विश्लेषण करता है। यही नहीं उन्हें विशेष प्रशिक्षण (training) से निपुण बनाता है। संक्षेप में, शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षक को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराता है जिसकी सहायता से वे शिक्षार्थी के व्यवहार में उचित परिवर्तन ला सके ।

(b) शिक्षार्थी के विषय में जानकारी प्राप्त करना **(To know the learner)** शिक्षा मनोविज्ञान की सहायता से शिक्षक बच्चों के बारे में निम्नलिखित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं

(i) आकांक्षा का स्तर (level of aspiration)

(ii) बच्चों की रूचि, मनोवृत्ति, प्रतिभा एवं जन्मजात क्षमता

(iii) उनके विकास से जुड़ी सामाजिक, संवेगात्मक, बौद्धिक और शारीरिक अवस्था

(iv) उनके चेतन और अचेतन व्यवहार (conscious and unconscious)

(v) समूह व्यवहार (Group Behaviour)

(vi) उनके संघर्ष (conflict) ईच्छा (desires) और मानसिक स्वास्थ्य (mental health)

(c) शिक्षा की उचित विषय-वस्तु चुनना एवं उन्हें संयोजित **(organize)** करना **(To select and organize the subject matter**) - शिक्षा मनोविज्ञान ही तय करता है कि -

(i) विशेष अथवा सामान्य दोनों तरह की परिस्थितियों में किस तरह की शिक्षण सामग्री का उपयोग किया जाय।

(ii) उस शिक्षण सामग्री को श्रेणी अथवा grade के आधार पर किस तरह संयोजित (organize) किया जाये।

(**d)** सीखना और सिखाने के लिए उचित तकनीक का सुझाव देना **(to suggest art and techniques of learning as well as teaching)**

उचित शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने के पश्चात् कैसे सीखें या सिखायें इस प्रश्न को भी शिक्षा मनोविज्ञान ही सुलझाता है। शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षण प्रक्रिया की व्याख्या करता है और स्थायी एवं प्रभावकारी साधनों के उपयोग का सुझाव देना है। दूसरे शब्दों में, वह शिक्षक को उचित शिक्षण विधि से अवगत करता है।

शिक्षण के लिए वातावरण तैयार करना **(To arrange learning situation)**

शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान शिक्षा को इतना सक्षम बना सकता है कि वे शिक्षण अवस्था एवं वातावरण दोनों को संतुलित कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, शिक्षण वातावरण का प्रभाव और सीखने वाले की प्रतिक्रिया एक शिक्षक को इतना सक्षम बना सकती है कि वह दोनों के बीच उचित संतुलन कायम कर बच्चे के विकास में पूरा सहयोग दे सकें।

वंशानुगत एवं वातावरण के प्रभावकारी कारकों **(mechanism)** से अवगत कराना-

बच्चे के विकास में वंशानुगत एवं वातावरण जनित कारणों का पता कर शिक्षक बच्चों को उचित परामर्श दे सकता है। शिक्षा मनोविज्ञान के परीक्षणों एवं सिद्धांतों की सहायता से वंशानुगत एवं वातावरण जनित कारकों के आधार पर उनके व्यक्तित्व विकास में सहयोग दे सकता है।

अनुशासन बनाये रखने में मदद करता है **(Helping in maintaining discipline)**

अगर शिक्षक बच्चे की प्रतिमा, शक्ति एवं कमियों से परिचित है तो इसके आधार पर कक्षा में उचित अनुशासन बनाये रख सकता है।

उचित परामर्श देना **(Rendering guidance services)** - शिक्षा मनोविज्ञान विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुसार उचित परामर्श दे सकता है। शिक्षा मनोविज्ञान की सहायता से बच्चों की क्षमता एवं उपलब्धियों के बारे में अभिभावकों को भी परिचित करा सकता है। अगर स्किनर (Skinner) की परिभाषा को मानें यह पूर्णतया सिद्ध हो जाता है कि शिक्षा मनोबिज्ञान का सम्बन्ध सीखने और सिखाने की प्रक्रिया से है। शिक्षा मनोविज्ञान सीखने के वैज्ञानिक नियमों एवं सिद्धांतों का व्यवहार का अध्ययन सीखने वाले के व्यक्तित्व को पूर्ण रूप से विकसित करने में सहायक है। शिक्षा मनोवैज्ञानिक अपने क्षेत्र के वे निपुण (skilled, technical expert) व्यक्ति हैं जो शिक्षा से सम्बन्धित सूचनाएँ एकत्र करते हैं, सिद्धांतों एवं नियमों का निर्माण करते हैं, जिसकी सहायता से सीखने वाले के व्यवहार को समझा जा सके और उन्हें उचित परामर्श दिया जा सके। आवश्यकतानुसार वे बच्चों के व्यवहार में परिवर्तन एवं परिमार्जन कर उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहयोग करते हैं। प्रत्येक शिक्षार्थी की मानसिक क्षमता कितनी है इसे मापने के लिए कई ऐसे परीक्षण एवं मापनी बनाये गये हैं जो व्यक्ति की मानसिक क्षमता का सही मूल्यांकन करते हैं। दूसरे शब्दों में शिक्षा मनोविज्ञान सीखने वाले की योग्यता, बुद्धि, अभिरूचि, व्यक्तित्व, प्रेरणा इत्यादि का विस्तृत अध्ययन करता है। इसके लिए वह वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग कर व्यक्ति के शैक्षिक व्यवहार का अध्ययन वैज्ञानिक विधि से नियंत्रित वातावरण में करता है जिससे प्राप्त निष्कर्ष पूर्णतया निष्पक्ष एवं सही हों। यही नहीं, इन्हीं तथ्यों के आधार पर सही भविष्यवाणी एवं निर्देशन देने का भी प्रयास करता है। मनोविज्ञान की एक प्रयुक्त शाखा होने के बावजूद, मनोविज्ञान जहाँ मानव व्यवहार से सम्बन्धित सभी व्यवहारों का अध्ययन करता है। शिक्षा मनोविज्ञान सिर्फ शिक्षा से सम्बन्धित व्यवहारों का अध्ययन करता है।